

18 OCTOBER 2026

UPSC CSE 2027/28

Weekly Current Affairs

— MCQ's —

SUNDAY SPECIAL

by Dr. Faiyaz Sir

Result Mitra



1. वैश्विक खाद्य सुरक्षा परिदृश्य और भारत की खाद्य नीति पहलों के संदर्भ में,
निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. विश्व खाद्य दिवस 2026 को "आज नवाचार करें, कल पोषण करें" विषय (Theme) के साथ मनाया गया, जो खाद्य प्रणालियों में नवाचार और पोषण सुरक्षा के बीच अंतर्संबंधों को रेखांकित करता है।
2. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013 के कानूनी दायरे के तहत ग्रामीण आबादी के 75% और शहरी आबादी के 50% हिस्से को रियायती दरों पर खाद्यान्न का अधिकार प्राप्त है।
3. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रदान किए जाने वाले मुफ्त खाद्यान्न के लाभों को सरकार द्वारा वर्ष 2028 तक के लिए विस्तारित कर दिया गया है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 1 | (d) 1, 2 और 3 |



उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** विश्व खाद्य दिवस 2026 को 16 अक्टूबर को मनाया गया। इस वर्ष की आधिकारिक थीम "आज नवाचार करें, कल पोषण करें" रखी गई थी, जो वैश्विक स्तर पर जलवायु जोखिमों और भूख से निपटने के लिए नवीन कृषि तकनीकों और पोषण सुरक्षा की आवश्यकता पर बल देती है।
- **कथन 2 सही है:** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 भारत की एक ऐतिहासिक वैधानिक पहल है। यह अधिनियम अपनी लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TPDS) के माध्यम से देश की ग्रामीण आबादी के 75% और शहरी आबादी के 50% हिस्से (कुल मिलाकर लगभग 81 करोड़ लोगों) को रियायती दरों पर खाद्यान्न प्राप्त करने की कानूनी गारंटी देता है।
- **कथन 3 सही है:** सरकार ने खाद्य सुरक्षा जाल को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लाभार्थियों को मिलने वाले मुफ्त खाद्यान्न (अनाज) की अवधि को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2028 तक के लिए लागू कर दिया है।



2. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की संरचना, शक्तियों और इसकी चुनाव प्रक्रिया के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के लिए उम्मीदवार देशों को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्य देशों के दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है।
2. संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रावधानों के अनुसार, सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्य देशों (स्थायी और अस्थायी) के पास परिषद के निर्णयों पर वीटो (Veto) का अधिकार होता है।
3. भारत अब तक सुरक्षा परिषद में आठ कार्यकाल पूरे कर चुका है और वह आगामी 2028-29 के कार्यकाल के लिए एशिया-प्रशांत सीट हेतु चुनावी चुनौती का सामना कर रहा है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3

- (b) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3



उत्तर (c) केवल 1 और 3

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के अस्थायी सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के लिए, किसी भी उम्मीदवार देश को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में होने वाले गुप्त मतदान में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्य देशों के दो-तिहाई (2/3) बहुमत का समर्थन प्राप्त करना अनिवार्य होता है।
- **कथन 2 गलत है:** संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रावधानों के अनुसार, सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्य देशों को वीटो (Veto) का अधिकार प्राप्त नहीं है। नकारात्मक वोट या वीटो की यह विशेष शक्ति केवल पाँच स्थायी सदस्यों (P5) - चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के पास ही सुरक्षित है। 10 अस्थायी सदस्यों के पास मतदान का अधिकार होता है, लेकिन वीटो की शक्ति नहीं होती।
- **कथन 3 सही है:** भारत अब तक सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य के रूप में आठ कार्यकाल पूरे कर चुका है (आखिरी बार वर्ष 2021-22 में)। भारत आगामी 2028-29 के कार्यकाल के लिए अपने नौवें सफर की मांग कर रहा है, जहाँ एशिया-प्रशांत सीट के लिए ताजिकिस्तान द्वारा अपनी दावेदारी पेश करने के कारण भारत एक राजनयिक चुनौती का सामना कर रहा है।



Result Mitra

3. भारत में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और उद्यमशीलता संकेतकों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) वर्ष 2017-18 के 23.3% से बढ़कर वर्ष 2025 में 40.0% तक पहुँच गई है।
2. लखपति दीदी योजना दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित एक ऐसा अधिदेश है जिसका मुख्य विनिर्देश ग्रामीण महिलाओं को वार्षिक रूप से न्यूनतम ₹1 लाख की आजीविका सुनिश्चित करना है।
3. मोबाइल फोन विनिर्माण क्षेत्र के प्रत्यक्ष कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी की तुलना में कृषि क्षेत्र से जुड़े कार्यबल में महिलाओं का कुल अनुपात सांख्यिकीय रूप से अधिक है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (A) कोई भी कथन नहीं
(C) केवल दो कथन

- (B) केवल एक कथन
(D) सभी तीनों कथन



उत्तर: (C) केवल दो कथन

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की आर्थिक सक्रियता में तेज सुधार हुआ है। इसके तहत महिला श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) वर्ष 2017-18 के 23.3% से बढ़कर वर्ष 2025 में 40.0% दर्ज की गई है। इसी प्रकार, महिला श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR) भी सुधरकर 38.8% हो गया है।
- **कथन 2 सही है:** लखपति दीदी योजना का विनियामक संचालन दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के माध्यम से किया जाता है। इसका स्पष्ट लक्ष्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर सूक्ष्म उद्यमों से जोड़ना और संधारणीय रूप से सालाना ₹1 लाख या उससे अधिक की आय प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।
- **कथन 3 गलत है:** जुलाई 2026 तक मोबाइल फोन विनिर्माण क्षेत्र के प्रत्यक्ष कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है, जबकि कृषि क्षेत्र के कार्यबल में यह हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। अतः कृषि कार्यबल का अनुपात मोबाइल विनिर्माण से अधिक बताना सांख्यिकीय रूप से असत्य है।



Result Mitra

4. भारत में निर्वाचन प्रबंधन, वैधानिक नियमों और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत निर्वाचन आयोग को प्राप्त अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्तियाँ उसे मतदाता सूची तैयार करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत और विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाने का विवेकाधीन अधिकार देती हैं।
2. जनप्रतिनिधित्व अधिनियम (RPA) के प्रावधानों के अनुसार, किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए प्रस्तुत की जाने वाली आपत्तियों हेतु निर्दिष्ट विनियामक प्रपत्र 'फॉर्म 7 (Form 7)' का उपयोग किया जाता है।
3. सर्वोच्च न्यायालय के 'अनूप बरनवाल' मामले के ऐतिहासिक निर्णय के बाद, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में संसद द्वारा पारित अधिनियम को लेकर न्यायपालिका में हाल ही में खंडित निर्णय देखा गया है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3

- (b) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3



उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग (ECI) को संसद और राज्य विधानसभाओं के लिए मतदाता सूचियां तैयार करने तथा चुनावों के संचालन का व्यापक अधिकार (अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण) देता है। इसी संवैधानिक अधिदेश के तहत आयोग मतदाता सूचियों में सुधार के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (SIR) या 'विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण' जैसे अभियान चलाने और उनके लिए अर्हता तिथि (Qualifying Date) निर्धारित करने का विनियामक अधिकार रखता है।
- **कथन 2 सही है:** चुनावी नियमों और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत तैयार विनियामक ढांचे के अनुसार, मतदाता सूची में किसी नए नाम को जोड़ने के लिए 'फॉर्म 6' का उपयोग होता है, जबकि किसी नाम को हटाने या उस पर आपत्ति दर्ज करने के लिए 'फॉर्म 7' निर्दिष्ट प्रपत्र है। गद्यांश में भी उल्लेख है कि बड़े पैमाने पर बल्क फाइलिंग को रोकने के लिए आयोग ने हाल ही में फॉर्म 7 की आपत्तियों पर कैप (सीमा) लगाई है।
- **कथन 3 सही है:** सर्वोच्च न्यायालय ने अनूप बरनवाल मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) और चुनाव आयुक्तों (ECs) की नियुक्ति के लिए एक स्वतंत्र पैनल (जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश भी शामिल थे) की व्यवस्था दी थी। सरकार ने वर्ष 2023 में संसद में नया कानून पारित कर इस व्यवस्था को बदल दिया, जिसे न्यायालय में चुनौती दी गई। इस कानून की वैधता पर हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की पीठ ने एक खंडित निर्णय दिया है, जिसके कारण यह नियुक्ति प्रक्रिया अभी पूरी तरह से सुलझ नहीं पाई है।



Result Mitra

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- कथन I: पेरोव्स्काइट-सिलिकॉन टैंडम सौर सेल पारंपरिक सिंगल-जंक्शन सिलिकॉन सौर सेल की तुलना में अधिक दक्षता प्राप्त कर सकते हैं।
- कथन II: एक टैंडम सेल में, दो अलग-अलग पदार्थों की परतें सौर स्पेक्ट्रम के अलग-अलग हिस्सों को अवशोषित करती हैं।

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही है?

- (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं और कथन II, कथन I की सही व्याख्या करता है।
- (B) कथन I और कथन II दोनों सही हैं लेकिन कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं करता है।
- (C) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है।
- (D) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है।



उत्तर: (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं और कथन II, कथन I की सही व्याख्या करता है।

व्याख्या

- **कथन I सही है:** पेरोव्स्काइट-सिलिकॉन टैंडम सौर सेल अत्याधुनिक सौर ऊर्जा तकनीक का प्रतिनिधित्व करते हैं। पारंपरिक सिंगल-जंक्शन सिलिकॉन सौर सेल की एक सैद्धांतिक दक्षता सीमा (शॉकली-क्वेसर सीमा) लगभग 29.4% होती है। इसके विपरीत, टैंडम सौर सेल इस सीमा को पार कर अधिक उच्च दक्षता (30% से अधिक) प्राप्त करने में पूरी तरह सक्षम हैं।
- **कथन II सही है और यह कथन I की सही व्याख्या है:** टैंडम सौर सेल की उच्च दक्षता का मूल कारण इसकी बहु-स्तरीय संरचना है। पारंपरिक सेल सौर प्रकाश के केवल एक विशिष्ट स्पेक्ट्रम को अवशोषित कर पाते हैं, जिससे शेष ऊर्जा ऊष्मा के रूप में नष्ट हो जाती है। टैंडम सेल में दो अलग-अलग बैंडगैप वाले पदार्थों का संलयन किया जाता है। इसकी ऊपरी पेरोव्स्काइट परत उच्च-ऊर्जा वाले नीले/दृश्यमान प्रकाश को अवशोषित करती है, जबकि निचली सिलिकॉन परत कम-ऊर्जा वाले अवरक्त (Infrared) प्रकाश को अवशोषित करती है। यह विन्यासीय सौर स्पेक्ट्रम विभाजन ही कथन I में वर्णित उच्च दक्षता का वास्तविक वैज्ञानिक कारण है।



6. चीन द्वारा अगली पीढ़ी की सौर तकनीक (Solar Technology) के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों और संबंधित तकनीकों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. चीन ने पेरोव्स्काइट और टैंडम सौर सेल मॉड्यूल विनिर्माण के तकनीकी ज्ञान के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।
2. पेरोव्स्काइट-सिलिकॉन टैंडम सेल सौर स्पेक्ट्रम के अलग-अलग हिस्सों को अवशोषित करके प्रयोगशालाओं में 34% से अधिक की उच्च दक्षता प्रदर्शित कर चुके हैं।
3. इस तकनीक संकट से निपटने और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने ₹24,000 करोड़ की सौर पीएलआई (PLI) योजना शुरू की है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 2

(C) केवल 1 और 3

(B) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3



उत्तर: (D) 1, 2 और 3

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** चीन ने वैश्विक बाजार में अपनी विनिर्माण बढ़त को सुरक्षित रखने के लिए "घोषणा संख्या 48" जारी की है। इसके तहत तैयार सौर पैनलों के निर्यात पर रोक नहीं है, बल्कि अगली पीढ़ी के पेरोव्स्काइट और टैंडम सौर सेल बनाने के तकनीकी ज्ञान (Know-how) के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।
- **कथन 2 सही है:** पारंपरिक सिलिकॉन सौर पैनलों की सामान्य दक्षता लगभग 22–25% तक ही सीमित होती है। इसके विपरीत, पेरोव्स्काइट-सिलिकॉन टैंडम सेल अपनी बहु-स्तरीय संरचना के माध्यम से सौर स्पेक्ट्रम के विभिन्न हिस्सों (नीले और अवरक्त प्रकाश) को प्रभावी रूप से अवशोषित करते हैं, जिससे प्रयोगशालाओं में इनकी दक्षता 34% से अधिक दर्ज की गई है।
- **कथन 3 सही है:** चीनी आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता कम करने के लिए भारत सरकार ने पहले ही ₹24,000 करोड़ के बजटीय परिव्यय के साथ उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल के लिए उत्पादन लिंकड प्रोत्साहन (PLI) योजना लागू की है। इसका उद्देश्य पॉलीसिलिकॉन से लेकर तैयार मॉड्यूल तक का निर्माण भारत में ही करना है।



Result Mitra

7. हाल ही में जारी सरकारी आंकड़ों और सितंबर 2026 के भारत के बाह्य व्यापार (External Trade) परिदृश्य के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सितंबर 2026 में भारत का वस्तु निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि के \$36.08 बिलियन से 23% से अधिक बढ़कर \$44.4 बिलियन दर्ज किया गया।
2. पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल आने के बावजूद, इसी अवधि में भारत के पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात मूल्य में 24.2% का संकुचन (कमी) देखा गया।
3. सितंबर 2026 में जहां एक तरफ सोने और चांदी के मात्रात्मक आयात में भारी गिरावट दर्ज की गई, वहीं दूसरी तरफ भारत का व्यापार घाटा पिछले वर्ष के सितंबर की तुलना में घटकर \$30.21 बिलियन रह गया।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 1 और 3 | (d) 1, 2 और 3 |



उत्तर: (c) केवल 1 और 3

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** सितंबर 2026 में भारत का वस्तु निर्यात (Goods Exports) सालाना आधार पर 23.04% बढ़कर \$44.4 बिलियन हो गया, जबकि पिछले वर्ष सितंबर 2025 में यह \$36.08 बिलियन था। अतः यह कथन पूरी तरह सत्य है।
- **कथन 2 गलत है:** पश्चिम एशिया संकट (West Asia Crisis) के कारण कच्चे तेल की कीमतें \$100 प्रति बैरल से ऊपर चल रही थीं। इसके कारण भारत को पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात से ऊंचे दाम प्राप्त हुए, जिसके चलते पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात में 31.9% (\$6.2 बिलियन) की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई, न कि 24.2% की कमी। 24.2% की वृद्धि वास्तव में रसायनों (Chemicals) के क्षेत्र में हुई थी।
- **कथन 3 सही है:** सितंबर में सोने और चांदी के आयात में क्रमशः 81.27% और 49.11% की भारी गिरावट आई। बहुमूल्य धातुओं के आयात में आई इसी कमी के कारण भारत का व्यापार घाटा सालाना आधार पर संकुचित (Narrowed) होकर \$30.21 बिलियन रह गया, जो पिछले साल सितंबर 2025 में \$33 बिलियन के स्तर पर था।



Result Mitra

8. लद्दाख के प्रशासनिक दर्जे और केंद्रीय गृह मंत्रालय के हालिया नीतिगत प्रस्तावों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस ने गृह मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित 'नेफा' (NEFA) मॉडल और क्षेत्रीय परिषद ढांचे को खारिज कर दिया है।
2. लद्दाख के नागरिक समूहों की मूल विनियामक मांग लद्दाख को विधायिका युक्त केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा देने तथा अनुच्छेद 371 के तहत विशेष संवैधानिक सुरक्षा उपाय प्रदान करने की है।
3. गृह मंत्रालय के नवीन रोडमैप के अनुसार, प्रस्तावित प्रशासनिक ढांचा लद्दाख के उपराज्यपाल की शक्तियों को सीमित कर निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यापक कार्यकारी अधिकार सौंपता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1

(C) केवल 2 और 3

(B) केवल 1 और 2

(D) 1, 2 और 3



उत्तर: (B) केवल 1 और 2

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** 15 अक्टूबर 2026 को गृह मंत्रालय ने लद्दाख उप-समिति के समक्ष नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (NEFA)-प्रकार की प्रशासनिक व्यवस्था और क्षेत्रीय परिषद मॉडल का प्रस्ताव रखा, जिसे लद्दाख के प्रतिनिधि समूहों (LAB और KDA) ने सर्वसम्मति से अस्वीकार कर दिया है।
- **कथन 2 सही है:** अगस्त 2019 में बिना विधायिका के केंद्रशासित प्रदेश बनाए जाने के बाद से ही इन समूहों की मुख्य मांग लद्दाख के सामाजिक-सांस्कृतिक हितों की रक्षा के लिए 'विधायिका सहित केंद्रशासित प्रदेश' की स्थापना करना और अनुच्छेद 371 के तहत विशेष विधिक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना है।
- **कथन 3 गलत है:** लद्दाख के नागरिक समूहों द्वारा इस गृह मंत्रालय के रोडमैप को खारिज करने का मुख्य कारण ही यह है कि यह प्रस्तावित ढांचा निर्वाचित प्रतिनिधियों को सशक्त नहीं करता, बल्कि लद्दाख के उपराज्यपाल (LG) प्रशासन के हाथों में अत्यधिक शक्तियों को केंद्रित करता है।



9. भारत के दूरसंचार क्षेत्र (Telecom Sector) और हाल ही में चर्चा में रहे उपनग्रह संचार (Satellite Communicatio) विनियामक ढांचे के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में उपग्रह सेवाओं के माध्यम से वाणिज्यिक सेवाएं संचालित करने के लिए 'ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशंस बाय सैटेलाइट' लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है।
2. भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा '2G स्पेक्ट्रम मामले' में दिए गए ऐतिहासिक निर्णय के अनुसार, स्पेक्ट्रम जैसी सभी दुर्लभ प्राकृतिक संपदाओं का आवंटन केवल नीलामी के माध्यम से ही किया जा सकता है।
3. गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करने के बाद दूरसंचार विभाग स्वतः ही स्पेक्ट्रम आवंटित कर देता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(c) केवल 1

- (b) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3



उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** भारत में किसी भी घरेलू या विदेशी कंपनी (जैसे स्टारलिनक, जियो सैटेलाइट, एयरटेल की यूटेलसैट वनवेब) को सैटेलाइट इंटरनेट या संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए दूरसंचार विभाग से GMPCS (Global Mobile Personal Communications by Satellite) लाइसेंस प्राप्त करना पहली अनिवार्य विनियामक आवश्यकता है। गद्यांश के अनुसार, इन तीनों कंपनियों ने यह लाइसेंस हासिल कर लिया है।
- **कथन 2 सही है:** भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 2G स्पेक्ट्रम मामले में एक ऐतिहासिक कानूनी सिद्धांत स्थापित किया था कि स्पेक्ट्रम जैसी सभी दुर्लभ प्राकृतिक संपदाओं (Scarce Natural Resources) का आवंटन पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से यानी केवल नीलामी के माध्यम से ही किया जाना चाहिए। इसी आदेश को आधार बनाकर रिलायंस जियो भारत में सैटेलाइट स्पेक्ट्रम को प्रशासनिक आवंटन के बजाय नीलाम करने की वकालत कर रही है।
- **कथन 3 गलत है (विनियामक प्रक्रिया का हेरफेर):** उपग्रह स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए केवल गृह मंत्रालय की सुरक्षा मंजूरी (Security Clearance) काफी नहीं है। गद्यांश स्पष्ट करता है कि सुरक्षा मंजूरी के साथ-साथ दूरसंचार विभाग (DoT) द्वारा स्पेक्ट्रम के मूल्य निर्धारण (Pricing) और असाइनमेंट (Assignment) के नियमों को अंतिम रूप दिया जाना भी आवश्यक है। जब तक ये विनियामक नियम तय नहीं होते, तब तक स्वतः आवंटन नहीं हो सकता।



Result Mitra

10. भारत की कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (CERT-In) और साइबर सुरक्षा विनियामक ढांचे के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. CERT-In, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत साइबर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया के लिए भारत की राष्ट्रीय नोडल एजेंसी है।
2. CERT-In के वर्ष 2022 के निर्देशों के अनुसार, भारत के भीतर सिस्टम लॉग को कम से कम 180 दिनों की अवधि के लिए सुरक्षित रखना अनिवार्य है।
3. राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े होने के कारण, CERT-In को सूचना के अधिकार (RTI) अधिनियम, 2005 के तहत डेटा उल्लंघन की जानकारी देने से छूट प्राप्त है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 1 और 3 | (d) 1, 2 और 3 |



उत्तर 1: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** CERT-In (भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम) केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत काम करती है और यह साइबर सुरक्षा घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने वाली भारत की राष्ट्रीय एजेंसी है।
- **कथन 2 सही है:** CERT-In के वर्ष 2022 के निर्देशों (Cyber Security Directions) के तहत, सभी सरकारी और निजी संस्थाओं के लिए साइबर सुरक्षा घटनाओं की रिपोर्ट 6 घंटे के भीतर करना और भारत के भीतर अपने सिस्टम लॉग को 180 दिनों तक सुरक्षित रखना कानूनी रूप से अनिवार्य है।
- **कथन 3 सही है:** यह एजेंसी डेटा उल्लंघन के मामलों के संबंध में सूचना के अधिकार (RTI) अधिनियम, 2005 से छूट प्राप्त है, जबकि इसके 2022 के निर्देशों के तहत संगठनों के लिए ऐसी घटनाओं की रिपोर्ट CERT-In को करना अनिवार्य है।



11. भारतीय नौसेना के रक्षा आधुनिकीकरण और हाल ही में शामिल किए गए आईएनएस समर्थक (INS Samarthak) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. आईएनएस समर्थक सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स द्वारा निर्मित पहला बड़ा युद्धपोत है।
2. 75% से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ, यह पोत नौसेना की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्यों को सुदृढ़ करता है।
3. एक बहुउद्देशीय पोत के रूप में, यह युद्धक परीक्षणों के साथ-साथ गैर-सैन्य मिशनों जैसे मानवीय सहायता और आपदा राहत को भी अंजाम दे सकता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 1 और 3 | (d) 1, 2 और 3 |



उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** आईएनएस समर्थक सार्वजनिक क्षेत्र के शिपयार्ड (जैसे मझगांव डॉक या जीआरएसई) द्वारा नहीं बनाया गया है। इसे पूर्णतः एक निजी शिपयार्ड (एल एंड टी शिपयार्ड) द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है। यह किसी भारतीय निजी क्षेत्र के शिपयार्ड द्वारा निर्मित पहला बड़ा युद्धपोत है, न कि पीपीपी मॉडल के तहत सार्वजनिक क्षेत्र का।
- **कथन 2 सही है:** इस पोत में 75% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। यह भारत की घरेलू औद्योगिक और तकनीकी क्षमताओं को दर्शाता है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होती है और रक्षा विनिर्माण में 'आत्मनिर्भर भारत' तथा 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा मिलता है।
- **कथन 3 सही है:** 'बहुउद्देशीय पोत' की मुख्य विशेषता ही इसका लचीलापन है। आईएनएस समर्थक एक तरफ स्वदेशी सेंसरों और हथियारों के परीक्षण जैसी तकनीकी/सैन्य भूमिका निभा सकता है, तो दूसरी तरफ समुद्र में कानून प्रवर्तन (गश्त, निगरानी) और विशुद्ध रूप से गैर-सैन्य या मानवीय मिशनों (जैसे चक्रवात या आपदा के समय राहत पहुंचाना - HADR) को भी समान दक्षता से संचालित कर सकता है।



12. भारत की भाषाई विविधता और डिजिटल समावेशन के संदर्भ में, हाल ही में विकसित सौराष्ट्र टेक्स्ट-टू-स्पीच (TTS) मॉडल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सौराष्ट्र एक अल्पसंख्यक इंडो-आर्यन भाषा है, जो मुख्य रूप से भारत के पश्चिमी राज्य गुजरात में बोली जाती है।
2. इस मॉडल को 'डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन' और IISc बेंगलुरु द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।
3. इसमें प्रयुक्त 'VITS आर्किटेक्चर' की यह विशेषता है कि यह बिना किसी अलग फोनेमाइज़र की आवश्यकता के सीधे कैरेक्टर-लेवल पर टेक्स्ट प्रोसेसिंग कर सकता है।
4. इस मॉडल के लिए तैयार डेटासेट और संसाधन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के 'AIKOSH' प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराए गए हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं?

- | | |
|------------------|-------------------|
| (a) केवल एक कथन | (b) केवल दो कथन |
| (c) केवल तीन कथन | (d) सभी चारों कथन |



उत्तर: (c) केवल तीन कथन

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** यद्यपि 'सौराष्ट्र' नाम पश्चिमी भारत से जुड़ा है, लेकिन सौराष्ट्र एक अल्पसंख्यक इंडो-आर्यन भाषा है जो मुख्य रूप से तमिलनाडु में बोली जाती है। अतः भौगोलिक अवस्थिति के संदर्भ में यह कथन गलत है।
- **कथन 2 सही है:** इस टेक्स्ट-टू-स्पीच मॉडल को MeitY के अंतर्गत कार्यरत डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन (DIBD) और IISc बेंगलुरु ने मिलकर विकसित किया है।
- **कथन 3 सही है:** 'VITS आर्किटेक्चर' एक विशिष्ट न्यूरल नेटवर्क संरचना है जो एंड-टू-एंड काम करती है। इसकी तकनीकी विशेषता यह है कि यह सीधे कैरेक्टर-लेवल टेक्स्ट प्रोसेसिंग की अनुमति देता है, जिससे अलग से फोनेमाइज़र (ध्वनि-परिवर्तक उपकरण) की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- **कथन 4 सही है:** प्रशिक्षण के लिए उपयोग किया गया सौराष्ट्र स्पीच कॉर्पस और इससे जुड़े संसाधन भाषिनी (BHASHINI) के राष्ट्रीय ओपन-सोर्स रिपॉजिटरी प्लेटफॉर्म 'AIKOSH' पर उपलब्ध हैं।



13. पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक संकट और भारत के बाह्य क्षेत्र के संदर्भ में,
निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. क्षेत्रीय संघर्षों के कारण तेल आयात बिल में तीव्र वृद्धि के परिणामस्वरूप सितंबर माह में भारत का वस्तु निर्यात नकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ।
2. पेट्रोलियम उत्पादों के मात्रात्मक निर्यात में संकुचन के बावजूद मूल्य प्रभाव के कारण भारत के निर्यात राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई।
3. कच्चे तेल की तुलना में एलएनजी (LNG) का आयात बिल वैश्विक आपूर्ति झटकों के प्रति अधिक संवेदनशील रहा है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- | | |
|-----------------|---------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 |
| (c) केवल 2 और 3 | (d) 1, 2 और 3 |



उत्तर: (b) केवल 2

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** यद्यपि तेल आयात बिल में 47% की तीव्र वृद्धि हुई, लेकिन इसके कारण भारत का निर्यात नकारात्मक रूप से प्रभावित नहीं हुआ। सितंबर में भारत का निर्यात 23% बढ़ा है।
- **कथन 2 सही है:** पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात मात्रात्मक रूप से 24.2% घट गया (संकुचन), लेकिन इसके बावजूद इससे प्राप्त राजस्व 20% बढ़ गया। अर्थशास्त्र में इसे सकारात्मक 'मूल्य प्रभाव' (Price Effect) कहा जाता है, जहाँ मात्रा घटने पर भी ऊँचे वैश्विक मूल्यों के कारण कुल आय बढ़ती है।
- **कथन 3 गलत है:** सितंबर में एलएनजी का आयात मात्रात्मक रूप से 8.5% गिर गया, लेकिन इसका आयात बिल लगभग अपरिवर्तित (\$1.2 बिलियन) रहा। यह दर्शाता है कि आपूर्ति झटकों या मात्रा में बदलाव के बावजूद इसका बिल स्थिर रहा, यानी यह कम संवेदनशील (Inelastic) रहा, न कि अधिक संवेदनशील।



14. हाल ही में पुनर्गठित प्रधानमंत्री सामाजिक सहायता योजना (पूर्ववर्ती NSAP) के बजटीय आवंटन और विनियामक प्रावधानों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस कार्यक्रम को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए जारी रखने हेतु ₹53,428 करोड़ के कुल वित्तीय परिव्यय को मंजूरी दी है।
2. दिव्यांगजन पेंशन योजना के तहत लाभ प्राप्त करने की न्यूनतम आयु सीमा को समाप्त कर बेंचमार्क दिव्यांगता सीमा को 40% निर्धारित किया गया है।
3. इस राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दी जाने वाली कुल वित्तीय सहायता का 90 प्रतिशत भार केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3

- (b) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3



उत्तर (a) केवल 1 और 2

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (NSAP) का नाम बदलकर 'प्रधानमंत्री सामाजिक सहायता योजना' करने के साथ-साथ इसे आगामी पांच वर्षों (वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक) के लिए निरंतर जारी रखने हेतु ₹53,428 करोड़ के कुल वित्तीय परिव्यय (Outlay) को मंजूरी दी है।
- **कथन 2 सही है:** 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016' के प्रावधानों के अनुरूप, इस सामाजिक सुरक्षा योजना को अधिक समावेशी बनाने के लिए अब पेंशन का लाभ प्राप्त करने के लिए पूर्व में लागू न्यूनतम आयु की बाध्यता को पूरी तरह हटा दिया गया है और पात्रता हेतु बेंचमार्क दिव्यांगता सीमा को घटाकर 40% निर्धारित किया गया है।
- **कथन 3 गलत है:** इस राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम के तहत देश भर में एकसमान सहायता सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय सहायता का 90 प्रतिशत नहीं, बल्कि शत-प्रतिशत (100%) भार केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाता है। यह शत-प्रतिशत केंद्रीय सहायता वाला कार्यक्रम है।



15. भारत की हिंद-प्रशांत नीति और उत्तरी अमेरिकी भू-आर्थिक संबंधों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (CEPA) भारत और अमेरिका के बीच अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी साझाकरण के लिए हस्ताक्षरित एक द्विपक्षीय विनियामक ढांचा है।
2. सस्केचेवान और ओंटारियो जैसे प्रांतों के साथ उप-राष्ट्रीय कूटनीति के कारण कनाडाई पेंशन फंड ने भारत के डेटा केंद्रों और स्वच्छ ऊर्जा में निवेश वापस ले लिया है।
3. भारत और कनाडा दोनों ही 'G7 क्रिटिकल मिनरल्स एक्शन प्लान' और 'ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस' जैसे लघुपक्षीय मंचों के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन को मजबूत कर रहे हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 3 | (d) 1, 2 और 3 |



उत्तर: (c) केवल 3

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** CEPA (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) भारत और अमेरिका के बीच नहीं, बल्कि भारत और कनाडा के बीच वार्ता के अधीन एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता है। भारत और अमेरिका के बीच संबंध व्यापार और प्रौद्योगिकी साझाकरण के लिए अन्य इंडो-पैसिफिक ढांचों पर आधारित हैं।
- **कथन 2 गलत है :** उप-राष्ट्रीय कूटनीति के कारण कनाडाई निवेश वापस नहीं लिया गया है, बल्कि इसके विपरीत, कनाडाई प्रांतों के साथ मजबूत कूटनीति ने भारत में निवेश को बढ़ावा दिया है। कनाडाई पेंशन फंड वर्तमान में भारत के डेटा केंद्रों, स्वच्छ ऊर्जा और औद्योगिक संयुक्त उद्यमों में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं।
- **कथन 3 सही है:** भारत और कनाडा दोनों अपनी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुपक्षीय मंचों के साथ-साथ छोटे और केंद्रित लघुपक्षीय (Minilateral) मंचों का उपयोग कर रहे हैं। दोनों देश ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस (GBA), इंटरनेशनल सोलर एलायंस (ISA) और G7 क्रिटिकल मिनेरल्स एक्शन प्लान का हिस्सा बनकर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन जैसे देशों से सुरक्षित (De-risk) कर रहे हैं।



Result Mitra

16. भारत में डिजिटल परिवर्तन और प्रशासनिक सुधारों के संदर्भ में, हाल ही में आयोजित ई-गवर्नेंस सुधारों पर राष्ट्रीय सम्मेलन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में केंद्रीय प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (DARPG) और हिमाचल प्रदेश सरकार के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया।
2. इस सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य देश में उद्योग 4.0 के तहत सीमा पार इलेक्ट्रॉनिक व्यापार के लिए नए वित्तीय विनियामक ढांचे को तैयार करना है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- | | |
|------------------|----------------------|
| (a) केवल 1 | (b) केवल 2 |
| (c) 1 और 2 दोनों | (d) न तो 1 और न ही 2 |



उत्तर: (a) केवल 1

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** ई-गवर्नेंस सुधारों पर यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में शुरू हुआ। इसे भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (DARPG) और हिमाचल प्रदेश सरकार के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका प्रतिनिधित्व दोनों पक्षों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और मुख्यमंत्री ने किया।
- **कथन 2 गलत है:** इस सम्मेलन का उद्देश्य सीमा पार इलेक्ट्रॉनिक व्यापार या वित्तीय विनियामक ढांचे तैयार करना नहीं है। बल्कि इसका मुख्य फोकस डिजिटल नवाचार उभरती प्रौद्योगिकियों नागरिक-केंद्रित शासन और प्रौद्योगिकी-सक्षम जन सेवा वितरण पर विचार-विमर्श करना है।



17. हाल ही में संपन्न संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के 81वें सत्र के बाद सुरक्षा परिषद (UNSC) में भारत की अस्थायी सदस्यता के दावों तथा सुरक्षा परिषद के मूल अधिदेश के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत ने सुरक्षा परिषद के वर्ष 2028-29 के दो वर्षीय कार्यकाल के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की है, जिसके लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में जून 2027 में मतदान होना तय है।
2. सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट जीतने के लिए वर्तमान विनियामक नियमों के अनुसार, भारत को 193 सदस्यीय महासभा में कम से कम दो-तिहाई यानी 129 सकारात्मक मतों की आवश्यकता होगी।
3. संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अंतर्गत सुरक्षा परिषद का प्राथमिक विनियामक कार्य वैश्विक वित्तीय प्रवाह और व्यापारिक समझौतों का विधिक संचालन करना है, जिसके लिए यह विभिन्न देशों पर बाध्यकारी प्रतिबंध लगा सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 और 2
(C) केवल 2

- (B) केवल 1
(D) 1, 2 और 3



उत्तर: (A) केवल 1 और 2

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा वर्ष 2026 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के 81वें सत्र (8-28 सितंबर 2026) के दौरान भारत के नौवें कार्यकाल (वर्ष 2028-29) के लिए आधिकारिक प्रचार शुरू किया गया है। इसके लिए अंतिम मतदान अगले वर्ष जून 2027 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित किया जाएगा।
- **कथन 2 सही है:** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में विधिक चयन के लिए किसी भी देश को महासभा के कुल सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करना अनिवार्य होता है। वर्तमान में 193 सदस्यीय विधानसभा के विनिर्देशों के अनुसार, भारत को जीत सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम 129 सकारात्मक मतों की आवश्यकता होगी।
- **कथन 3 गलत है:** संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार, सुरक्षा परिषद (UNSC) का प्राथमिक और विधिक कार्य अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना (Maintenance of international peace and security) है, न कि वित्तीय प्रवाह या व्यापारिक समझौतों का संचालन करना (यह कार्य मुख्य रूप से विश्व व्यापार संगठन या विश्व बैंक जैसी संस्थाओं का है)। यद्यपि सुरक्षा परिषद के निर्णय सदस्य देशों पर विधिक रूप से बाध्यकारी होते हैं।



Result Mitra

18. हाल ही में नीति आयोग के फ्रंटियर टेक हब द्वारा जारी 'डेटा सेंटर मूल्यांकन ढांचा' (Data Centre Evaluation Framework) और भारत के डिजिटल अवसंरचना परिदृश्य के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत की डेटा सेंटर क्षमता में पिछले छह वर्षों (2020 से 2026) में चार गुना वृद्धि हुई है, जो वर्तमान में लगभग 1.5 GW तक पहुँच गई है।
2. केंद्र सरकार ने भारत-आधारित डेटा सेंटर अवसंरचना का उपयोग करने वाले पात्र विदेशी क्लाउड सेवा प्रदाताओं के लिए वर्ष 2047 तक 'टैक्स हॉलिडे' की घोषणा की है।
3. यह ढांचा राज्य सरकारों के लिए डेटा सेंटर क्षेत्र में विनियामक नियंत्रण की एक नई अतिरिक्त परत स्थापित करने हेतु विनियामक दिशा-निर्देश प्रदान करता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(c) केवल 1

- (b) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3



उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा-गहन डिजिटल अनुप्रयोगों की बढ़ती मांग के कारण भारत की डेटा सेंटर क्षमता वर्ष 2020 में लगभग 375 MW थी, जो वर्तमान (अक्टूबर 2026 तक) में चार गुना बढ़कर लगभग 1.5 GW हो चुकी है।
- **कथन 2 सही है:** भारत सरकार ने देश में निवेश अनुकूल माहौल बनाने और वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत भारत-आधारित डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाने वाले पात्र विदेशी क्लाउड सेवा प्रदाताओं को वर्ष 2047 तक टैक्स हॉलिडे (कर अवकाश) प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।
- **कथन 3 गलत है:** नीति आयोग के सीईओ के वक्तव्य के अनुसार, इस ढांचे का उद्देश्य राज्यों के लिए नियंत्रण या विनियमन की कोई नई अतिरिक्त परत बनाना नहीं है। इसके विपरीत, यह राज्यों के लिए एक 'निर्णय-समर्थन उपकरण' के रूप में कार्य करता है, जो बिना किसी अतिरिक्त नौकरशाही बाधा के परियोजनाओं के त्वरित और अधिक पूर्वानुमानित निष्पादन की सुविधा प्रदान करता है।



Result Mitra

19. पूर्वी घाट की पारिस्थितिकी और बाल्दा पहाड़ियों में प्रस्तावित बॉक्साइट खनन के विनियामक व जनजातीय उपबंधों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. नागेश्वरी आरक्षित वन में प्रस्तावित इस ओपनकास्ट खनन स्थल के कारण 'जयपुर ग्राउंड गेको' नामक स्थानिक सरीसृप के विधिक पर्यावास पर अस्तित्वपरक संकट मंडरा रहा है।
2. यह निशाचरी प्रजाति IUCN की रेड लिस्ट में 'लुप्तप्राय' तथा CITES के परिशिष्ट-II के विनियामक संरक्षण के अंतर्गत पश्चिमी घाट के उच्च-ऊंचाई वाले वनों में सीमित है।
3. स्थानीय बोंडो और पोरजा आदिवासियों द्वारा पैतृक भूमि अधिकारों की रक्षा हेतु किया जा रहा प्रतिरोध वन अधिकार अधिनियम, 2006 के संस्थागत क्रियान्वयन की विफलता को दर्शाता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (A) कोई भी कथन नहीं
(C) केवल दो कथन

- (B) केवल एक कथन
(D) सभी तीनों कथन



उत्तर: (C) केवल दो कथन

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** बाल्दा पहाड़ियों के नागेश्वरी आरक्षित वन के 147-हेक्टेयर क्षेत्र में ओपनकास्ट बॉक्साइट खनन प्रस्तावित है। यह विनियामक परियोजना 'जयपुर ग्राउंड गेको' (Cyrtodactylus jeyporensis) के विधिक पर्यावास को संकट में डालती है, जो 130 वर्षों तक अदृश्य रहने के बाद 2010 में पुनर्खोजा गया था। इस स्थल पर अब केवल चार जीव ही प्रलेखित बचे हैं।
- **कथन 2 गलत है :** जयपुर ग्राउंड गेको IUCN द्वारा 'लुप्तप्राय' (Endangered) और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियंत्रण हेतु CITES के परिशिष्ट-II में वर्गीकृत है, परंतु यह भारत के पश्चिमी घाट में नहीं, बल्कि पूर्वी घाट के उच्च-ऊँचाई वाले वनों (900-1,400 मीटर) की स्थानिक प्रजाति है।
- **कथन 3 सही है:** प्रस्तावित खनन के खिलाफ स्थानीय बोंडो और पोरजा आदिवासी समुदायों का दो वर्षीय प्रतिरोध खनिज-समृद्ध क्षेत्रों में जनजातीय विस्थापन की गंभीर समस्या को उजागर करता है। सरकार द्वारा इनके पारंपरिक दावों को अस्वीकार करना वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्रशासनिक स्तर पर त्रुटिपूर्ण और असफल क्रियान्वयन को प्रमाणित करता है।



20. हाल ही में चर्चा में रहे 'माजोराना क्वांटम प्रोसेसरों' (Majorana Quantum Processors) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये प्रोसेसर 'माजोराना फर्मियोन्स' नामक काल्पनिक कणों पर आधारित हैं, जो अपने स्वयं के ही एंटी-पार्टिकल (प्रतिकण) होते हैं।
 2. पारंपरिक सुपरकंडक्टिंग क्यूबिट्स की तुलना में, माजोराना-आधारित क्यूबिट्स (Qubits) बाह्य पर्यावरणीय विक्षोभ या शोर के प्रति अत्यधिक प्रतिरोधी होते हैं, जिससे ये 'फॉल्ट-टोलरेंट' क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए उपयुक्त माने जाते हैं।
 3. माजोराना प्रोसेसरों में क्वांटम सूचना को कूटबद्ध करने के लिए 'क्वांटम उलझाव' के स्थान पर पूरी तरह से पारंपरिक द्विआधारी (Binary 0 and 1) कोडिंग का उपयोग किया जाता है।
- उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

- (a) केवल 1 और 2
(c) केवल 1

- (b) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3



उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** वर्ष 1937 में इतालवी भौतिक विज्ञानी एट्टोरे माजोराना (Ettore Majorana) ने एक ऐसे प्राथमिक कण की भविष्यवाणी की थी, जो फर्मियॉन होने के साथ-साथ स्वयं का ही एंटी-पार्टिकल (प्रतिकण) होता है। सामान्यतः कण और प्रतिकण (जैसे इलेक्ट्रॉन और पॉज़िट्रॉन) एक दूसरे से टकराकर नष्ट हो जाते हैं, लेकिन माजोराना कणों में यह विशेषता नहीं होती। माजोराना प्रोसेसर इन्हीं कणों (या अर्ध-कणों/Quasiparticles) के सिद्धांतों का उपयोग करके निर्मित किए जा रहे हैं।
- **कथन 2 सही है:** क्वांटम कंप्यूटिंग में सबसे बड़ी चुनौती 'क्वांटम डेकोहेरेंस' (Quantum Decoherence) की होती है, जहाँ बाहरी वातावरण के तापमान या चुंबकीय शोर के कारण क्यूबिट्स अपनी क्वांटम अवस्था खो देते हैं और गणना में गलतियाँ (Errors) होती हैं। माजोराना क्यूबिट्स की ज्यामितीय और टोपोलॉजिकल (Topological) प्रकृति ऐसी होती है कि वे स्थानीय विक्षोभों से प्रभावित नहीं होते। यह उन्हें अत्यधिक स्थिर और 'फॉल्ट-टोलरेंट' (त्रुटि-सहिष्णु) बनाता है, जो एक आदर्श क्वांटम कंप्यूटर के निर्माण के लिए आवश्यक है।
- **कथन 3 गलत है (वैचारिक विरोधाभास):** माजोराना प्रोसेसर कोई पारंपरिक कंप्यूटर नहीं हैं। ये अत्याधुनिक क्वांटम कंप्यूटर हैं जो पूरी तरह से क्वांटम मैकेनिक्स के सिद्धांतों जैसे सुपरपोजिशन (Superposition) और क्वांटम उलझाव (Quantum Entanglement) पर काम करते हैं। इनमें पारंपरिक बाइनरी कोडिंग (0 और 1) का उपयोग नहीं होता, बल्कि क्वांटम सूचनाओं को टोपोलॉजिकल 'ब्रेडिंग' (Braiding) के माध्यम से सुरक्षित रखा जाता है।



Result Mitra

21. भारत में वाहन उत्सर्जन मानकों और पर्यावरण संरक्षण नीतियों के संदर्भ में, हाल ही में जारी ड्राफ्ट अधिसूचना के अनुसार 'बीएस-VII' (BS-VII) मानकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा नए यात्री वाहनों के लिए अधिक सख्त बीएस-VII उत्सर्जन मानकों को 1 अप्रैल 2029 से लागू करने की योजना है।
2. इस सरकारी नीति के तहत, पर्यावरण और ऑटोमोबाइल उद्योगों की तकनीकी अनुकूलता को संतुलित करने के लिए इन सभी नए मानकों को वर्ष 2029 से 2035 तक तीन चरणों में लागू किया जाएगा।
3. भारत चरण (Bharat Stage) उत्सर्जन मानक केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) द्वारा पूरी तरह स्वतंत्र रूप से तैयार किए जाते हैं और इन्हें सीधे वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(c) केवल 1

- (b) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3



उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने देश में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और ऑटोमोबाइल क्षेत्र को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के लिए 1 अप्रैल 2029 से नई कारों और एसयूवी के लिए अत्यधिक सख्त बीएस-VII (BS-VII) उत्सर्जन मानकों को शुरू करने का प्रस्ताव दिया है।
- **कथन 2 सही है:** उद्योग जगत को तकनीकी बदलावों को अपनाने और निवेश करने का पर्याप्त समय देने के लिए, मंत्रालय ने इस 12 अक्टूबर की अधिसूचना में स्पष्ट किया है कि इन सभी नए नियमों को एक साथ लागू करने के बजाय 6 वर्षों की अवधि में तीन अलग-अलग चरणों (Phases) में लागू किया जाएगा, जो अप्रैल 2029 से शुरू होकर अप्रैल 2035 तक चलेगा।
- **कथन 3 गलत है:** भारत चरण (BS) उत्सर्जन मानक यूरोपीय मानकों (Euro Norms) पर आधारित होते हैं। हालांकि पर्यावरण मंत्रालय (MoEFCC) के तहत CPCB वायु गुणवत्ता की निगरानी करता है, लेकिन मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत वाहनों के उत्सर्जन मानदंडों और समय-सीमा को अंतिम रूप देने, अधिसूचित करने और लागू करने का वैधानिक कार्य सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) का है, न कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का।



22. भारतीय संविधान के तहत निवारक नज़रबन्दी (Preventive Detention) के विन्यासों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. किसी भी व्यक्ति को सलाहकार बोर्ड की समीक्षा या संस्तुति के बिना अधिकतम छह महीने तक निवारक नज़रबन्दी में रखा जा सकता है।
2. निवारक नज़रबन्दी का उद्देश्य किसी व्यक्ति को पूर्व में किए गए अपराध के लिए दंडित करने के बजाय भावी सुरक्षा जोखिमों को रोकना है।
3. जनहित या राज्य की सुरक्षा के विरुद्ध होने की स्थिति में, निरुद्ध व्यक्ति को हिरासत के विधिक आधारों से अवगत कराने से छूट प्राप्त है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 3 | (d) 1, 2 और 3 |



उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 22 निवारक नज़रबन्दी के संबंध में सुरक्षात्मक रूपरेखा प्रदान करता है। हालांकि, इसके प्रावधानों के अनुसार किसी भी व्यक्ति को सलाहकार बोर्ड (Advisory Board) की मंजूरी या संस्तुति के बिना सामान्यतः अधिकतम 3 महीने (न कि 6 महीने) तक ही हिरासत में रखा जा सकता है। 3 महीने से अधिक की अवधि बढ़ाने के लिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों या उसके समकक्ष योग्यता रखने वाले व्यक्तियों के सलाहकार बोर्ड की अनुमति अनिवार्य है।
- **कथन 2 सही है :** दंडात्मक नज़रबन्दी (Punitive Detention) और निवारक नज़रबन्दी में एक स्पष्ट अंतर है। दंडात्मक निरोध न्यायालय में औपचारिक मुकदमे और दोषसिद्धि के बाद अतीत में किए गए अपराध के लिए दिया जाने वाला दंड है। इसके विपरीत, निवारक नज़रबन्दी का स्वरूप गैर-दंडात्मक (Non-Punitive) होता है; यह केवल आशंका या संदेह के आधार पर भविष्य में होने वाले किसी संभावित अपराध को रोकने के लिए प्रशासनिक स्तर पर उठाया गया कदम है।
- **कथन 3 सही है:** प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के तहत निरुद्ध व्यक्ति को यह जानने का विधिक अधिकार है कि उसे किस आधार पर हिरासत में लिया गया है, और उसे इस आदेश के खिलाफ अपना प्रतिनिधित्व (Representation) प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाता है। परंतु, इसमें यह संवैधानिक अपवाद भी शामिल है कि यदि राज्य को लगता है कि तथ्यों का प्रकटीकरण व्यापक जनहित (Public Interest) या राज्य की सुरक्षा के विरुद्ध है, तो प्राधिकारी उन आधारों को उजागर करने से मना कर सकते हैं।



Result Mitra

23. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के विनियामक ढांचे और समाचारों में रही 'एयर-गैपिंग' (Air-gapping) तकनीक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'एयर-गैपिंग' एक ऐसी सुरक्षा तकनीक है जिसके तहत जोखिम वाले एआई मॉडल को बाह्य इंटरनेट और नेटवर्क ग्रिड से भौतिक रूप से पूरी तरह अलग रखा जाता है।
2. एआई सुरक्षा के लिए प्रस्तावित विनियामक प्रावधानों के तहत कंपनियों के लिए एआई मॉडल के 'कंटेनमेंट फेलियर' की रिपोर्टिंग को अनिवार्य बनाने की सिफारिश की गई है।
3. अमेरिकी प्रशासन ने चीन के साथ तीव्र प्रतिस्पर्धा के बीच, एआई विकास को गति देने के लिए सभी प्रकार के घरेलू बाध्यकारी विनियमनों का पूर्ण समर्थन किया है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 1 और 2 | (d) 1, 2 और 3 |



उत्तर: (c) केवल 1 और 2

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** 'एयर-गैपिंग' (Air-gapping) एक सख्त भौतिक सुरक्षा तकनीक है। इसके तहत विकास के चरण में मौजूद साइबर-सक्षम एआई मॉडलों को इंटरनेट से पूरी तरह डिस्कनेक्ट रखा जाता है ताकि वे सुरक्षा घेरा तोड़कर बाहर न भाग सकें और किसी वेबसाइट को हैक न कर सकें।
- **कथन 2 सही है:** एआई पारिस्थितिकी तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने के लिए शोधकर्ताओं ने एक अंतरराष्ट्रीय निकाय के गठन का प्रस्ताव दिया है, जो एआई मॉडलों के नियंत्रण से बाहर होने या सुरक्षा घेरा टूटने (Containment Failures) की घटनाओं की ट्रैकिंग और अनिवार्य रिपोर्टिंग सुनिश्चित करेगा।
- **कथन 3 गलत है:** चीन के साथ चल रही तीव्र तकनीकी होड़ को देखते हुए ट्रम्प प्रशासन ने एआई क्षेत्र में नवाचार को बाधित करने वाले किसी भी बाध्यकारी विनियमन (Binding Regulation) का विरोध (Opposed) किया है, न कि समर्थन।



24. बिम्सटेक दिल्ली घोषणापत्र (Delhi Declaration) के संदर्भ में, निम्नलिखित

कथनों पर विचार कीजिए:

1. बिम्सटेक देशों के गृह मंत्रियों की यह उद्घाटन बैठक सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए वर्ष 2025 में बैंकॉक में आयोजित छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के निर्णय के तहत बुलाई गई थी।
2. इस घोषणापत्र के तहत क्षेत्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी की वास्तविक समय निगरानी के लिए 'बिम्सटेक ड्रग ऑफेंस मॉनिटरिंग डेस्क' का विकास सुनिश्चित किया गया है।
3. बहुराष्ट्रीय वित्तीय अपराधों की निगरानी के लिए बिम्सटेक सचिवालय को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) के 'एशिया/पैसिफिक ग्रुप ऑन मनी लॉन्ड्रिंग' में पूर्ण बजटीय सदस्य का दर्जा प्राप्त हुआ है।

उपरोक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं?

- | | |
|-----------------|-------------------|
| (a) कोई भी नहीं | (b) केवल एक कथन |
| (c) केवल दो कथन | (d) सभी तीनों कथन |



उत्तर: (c) केवल दो कथन

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** गृह मंत्रियों की बैठक की इस नई विनियामक व्यवस्था को स्थापित करने का प्रारंभिक निर्णय चौथे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन (काठमांडू, 2018) में लिया गया था और हाल ही में वर्ष 2025 में बैंकॉक में आयोजित छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में इसका औपचारिक स्वागत कर इसे क्रियान्वित किया गया। अतः यह कथन सही है।
- **कथन 2 सही है:** बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में अवैध नशीली दवाओं के बढ़ते व्यापार और सुरक्षा जोखिमों से निपटने के लिए, इस घोषणापत्र में सूचनाओं के आदान-प्रदान और क्षेत्रीय सहयोग हेतु 'बिम्सटेक ड्रग ऑफेंस मॉनिटरिंग डेस्क' (BDOMD) के विकास को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना गया है।
- **कथन 3 गलत है:** बिम्सटेक सचिवालय को मनी लॉन्ड्रिंग पर बने क्षेत्रीय निकाय (APG) में पूर्ण बजटीय सदस्य का दर्जा नहीं मिला है, बल्कि उसने वहां केवल पर्यवेक्षक (Observer Status) का दर्जा प्राप्त किया है। यह निकाय केवल एक FATF-शैली का क्षेत्रीय संगठन है, न कि स्वयं मुख्य FATF।



25 अक्टूबर 2026 को भारतीय तटरक्षक बल और कोरिया तटरक्षक बल के बीच 14वीं उच्च-स्तरीय बैठक कहाँ आयोजित की गई थी?

- (A) नई दिल्ली, भारत
- (B) बुसान, दक्षिण कोरिया
- (C) इंचियोन, दक्षिण कोरिया
- (D) मुंबई, भारत



Result Mitra

Result
Mitra

उत्तर: (C) इंचियोन, दक्षिण कोरिया

व्याख्या

- **बैठक का स्थान और संस्करण:** आधिकारिक प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय तटरक्षक बल और कोरिया तटरक्षक बल के बीच 14वीं उच्च-स्तरीय बैठक (HLM) का आयोजन 14 अक्टूबर 2026 को दक्षिण कोरिया के इंचियोन में संपन्न हुआ।
- **बैठक का मूल उद्देश्य:** इस द्विपक्षीय बैठक का प्राथमिक उद्देश्य दोनों देशों की समुद्री सुरक्षा एजेंसियों के बीच समुद्री खोज एवं बचाव (M-SAR), समुद्री प्रदूषण नियंत्रण (MPR), तथा समुद्री कानून प्रवर्तन (MLE) जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रणनीतिक समन्वय और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना था।



26. हाल ही में घोषित नासा (NASA) के 'पफिन्स' (PUFFINS) मिशन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह पराबैंगनी स्पेक्ट्रोपोलारिमेट्री तकनीक द्वारा अंतःतारकीय धूल के कणों का अध्ययन करने वाला एक स्मॉलसैट (SmallSat) स्पेस टेलीस्कोप मिशन है।
2. इस वैश्विक परियोजना का नेतृत्व भारतीय मूल की खगोलविज्ञानी द्वारा किया जा रहा है, जिसमें भारत के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थान जैसे IIA और IUCAA तकनीकी रूप से शामिल हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- | | |
|------------------|----------------------|
| (a) केवल 1 | (b) केवल 2 |
| (c) 1 और 2 दोनों | (d) न तो 1 और न ही 2 |



उत्तर: (c) 1 और 2 दोनों

व्याख्या

- कथन 1 सही है: नासा का PUFFINS मिशन पराबैंगनी (UV) प्रकाश के ध्रुवीकरण का विश्लेषण करके तारों के बीच फैली धूल का अध्ययन करेगा, ताकि नए तारों और ग्रहों के निर्माण की मूलभूत भौतिक प्रक्रियाओं को समझा जा सके।
- कथन 2 सही है: इस अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष अभियान की प्रधान अन्वेषक (PI) बेंगलुरु में जन्मी डॉ. रम्या आंचे हैं। इस मिशन में भारत के दो शीर्ष संस्थान—इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (IUCAA) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (IIA) तकनीकी साझेदार के रूप में आधिकारिक तौर पर जुड़े हैं।



27. भारत में मुद्रास्फीति प्रबंधन और मौद्रिक नीति विनियामक ढांचे के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में खुदरा मुद्रास्फीति का मापन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा जारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के माध्यम से किया जाता है।
2. सितंबर 2026 में खाद्य और ईंधन की कीमतों में तीव्र वृद्धि के कारण खुदरा मुद्रास्फीति लगभग दो साल के उच्चतम स्तर (5.54%) पर पहुंच गई, जो भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ऊपरी मौद्रिक आराम सीमा (Upper Comfort Limit) को पार कर गई है।
3. मौद्रिक नीति समिति (MPC) एक वैधानिक निकाय है जिसे मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए नीतिगत रेपो दर में बदलाव करने का विवेकाधीन अधिकार प्राप्त है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3



उत्तर: (b) केवल 1 और 3

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** भारत में खुदरा मुद्रास्फीति (Retail Inflation) का मापन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के आधार पर किया जाता है। इस सूचकांक के आंकड़े सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा मासिक आधार पर संकलित और जारी किए जाते हैं।
- **कथन 2 गलत है:** आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 5.54% हो गई, जो निश्चित रूप से पिछले दो वर्षों का उच्चतम स्तर है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा विधिक रूप से निर्धारित ऊपरी मौद्रिक आराम सीमा (Upper Comfort Limit) 6% (4% लक्ष्य + 2% ऊपरी सहिष्णुता बैंड) है। चूंकि 5.54% का आंकड़ा 6% से कम है, इसलिए इस मुद्रास्फीति दर ने आरबीआई की ऊपरी सीमा को पार नहीं किया है। यह सीमा के भीतर ही है।
- **कथन 3 सही है:** मौद्रिक नीति समिति (MPC) भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (धारा 45ZB) के तहत गठित एक छह-सदस्यीय वैधानिक निकाय (Statutory Body) है। इसे देश में मूल्य स्थिरता बनाए रखने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए बेंचमार्क नीतिगत ब्याज दर (जैसे रेपो रेट) को संशोधित करने का पूर्ण कानूनी और विवेकाधीन अधिकार प्राप्त है।



Result Mitra

28. वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा के लिए हाल ही में विधानसभा में पेश किए गए एक नए विधेयक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. तमिलनाडु सरकार ने अपनी राज्य विधानसभा में 'वरिष्ठ नागरिक (देखभाल और संरक्षण) विधेयक, 2026' पेश किया है।
2. इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों के लिए स्वस्थ और सक्रिय जीवन को बढ़ावा देना, उनके अधिकारों व सम्मान की रक्षा करना तथा देखभाल केंद्रों को पंजीकृत और विनियमित करना है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(c) 1 और 2 दोनों

(b) केवल 2

(d) न तो 1 और न ही 2



उत्तर: (b) केवल 2

व्याख्या

- कथन 1 गलत है: वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए यह नया 'वरिष्ठ नागरिक (देखभाल और संरक्षण) विधेयक, 2026' तमिलनाडु सरकार द्वारा नहीं, बल्कि केरल सरकार द्वारा पेश किया गया है।
- कथन 2 सही है: इस विधेयक का मूल उद्देश्य बुजुर्गों के अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा और गरिमा की रक्षा करना है। इसके साथ ही यह घर पर दी जाने वाली देखभाल सेवाओं को मानकीकृत करने और बुजुर्ग देखभाल केंद्रों का पंजीकरण व नियमन (Regulation) करने का वैधानिक प्रावधान करता है।



29. हाल ही में चर्चा में रहे 'उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' (ULLAS-Nav Bharat Saaksharta Karyakram) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 से 2027 तक पांच वर्षों की अवधि के लिए स्वीकृत यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसका दीर्घकालिक लक्ष्य वर्ष 2030 तक 100% साक्षरता प्राप्त करना है।
2. शिक्षा मंत्रालय के विनियामक मानदंडों के अनुसार, किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश को इस कार्यक्रम के तहत 'पूर्ण साक्षर' घोषित होने के लिए 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों में न्यूनतम 95% साक्षरता दर का बेंचमार्क हासिल करना अनिवार्य है।
3. इस योजना के तहत हाल ही में शत-प्रतिशत कार्यात्मक साक्षरता हासिल करने वाला लक्षद्वीप देश का पहला केंद्र शासित प्रदेश (UT) बना है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 1 | (d) 1, 2 और 3 |



उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022 से 2027 तक की पांच वर्षों की अवधि के लिए 'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' (ULLAS) को मंजूरी दी थी। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Scheme) है। सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप, इसका दीर्घकालिक विनियामक लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश में 100% साक्षरता दर को हासिल करना है।
- **कथन 2 सही है:** केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्थापित मानदंडों के अनुसार, इस योजना के अंतर्गत किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में जब 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के चिन्हित गैर-साक्षर वयस्कों में साक्षरता का स्तर न्यूनतम 95 प्रतिशत या उससे अधिक के बेंचमार्क को प्राप्त कर लेता है, तो उसे आधिकारिक रूप से 'पूर्ण साक्षर' घोषित कर दिया जाता है।
- **कथन 3 गलत है:** हालांकि अक्टूबर 2026 में लक्षद्वीप ने बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा (FLNAT) के सफल संचालन के माध्यम से 100% साक्षरता का दर्जा प्राप्त किया है, लेकिन यह इस योजना के तहत पूर्ण साक्षर घोषित होने वाला देश का पहला केंद्र शासित प्रदेश नहीं है। इस योजना के तहत लद्दाख वर्ष 2024 में ही पूर्ण कार्यात्मक साक्षरता का दर्जा प्राप्त करने वाला भारत का पहला केंद्र शासित प्रदेश (UT) बन चुका था।



Result Mitra

30. वर्ष 2026 के नोबेल आर्थिक विज्ञान पुरस्कार और आर्थिक नीति निर्माण के सिद्धांतों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह पुरस्कार संयुक्त रूप से रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को समष्टि आर्थिक स्थिरता के सूक्ष्म आर्थिक आधारों पर शोध के लिए प्रदान किया गया।
2. रॉबर्ट ई. हॉल के सिद्धांतों के अनुसार, उपभोक्ता व्यय (Consumer Spending) तात्कालिक उपलब्ध आय की तुलना में भविष्य की आय संबंधी अपेक्षाओं से अधिक संचालित होता है।
3. माइकल वुडफोर्ड का शोध यह स्थापित करता है कि कॉर्पोरेट मूल्य-निर्धारण और केंद्रीय बैंकों का 'फॉरवर्ड गाइडेंस' मुद्रास्फीति नियंत्रण में निष्प्रभावी (Ineffective) रहता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (a) केवल 1 और 2 | (b) केवल 2 और 3 |
| (c) केवल 1 | (d) 1, 2 और 3 |



उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** 12 अक्टूबर 2026 को अमेरिकी अर्थशास्त्रियों रबर्ट ई. हॉल (Stanford University) और माइकल वुडफोर्ड (Columbia University) को संयुक्त रूप से वर्ष 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार दिया गया। उन्हें यह सम्मान समष्टि आर्थिक स्थिरता के सूक्ष्म आर्थिक आधारों (microeconomic foundations of macroeconomic stabilisation) की खोज के लिए मिला है, जिसने नीति-निर्माण में व्यक्तिगत निर्णयों और बड़े पैमाने के आर्थिक प्रबंधन के बीच की दूरी को पाट दिया।
- **कथन 2 सही है:** रॉबर्ट हॉल के ऐतिहासिक 1978 के शोध पत्र के अनुसार, परिवारों का वर्तमान उपभोग या खर्च केवल उनकी वर्तमान नकदी या तत्काल उपलब्ध डिस्पोजेबल आय (Immediate Disposable Income) पर निर्भर नहीं करता। बल्कि, यह इस बात पर आधारित होता है कि वे भविष्य में अपनी आय के रास्ते (Future Income Paths) को लेकर क्या अपेक्षाएं रखते हैं। यदि उन्हें भविष्य में मंदी की आशंका होती है, तो वे वर्तमान में ही खर्च घटा देते हैं।
- **कथन 3 गलत है:** माइकल वुडफोर्ड का शोध इसके बिल्कुल विपरीत बात स्थापित करता है। उनका कार्य यह दिखाता है कि केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों को लेकर दी जाने वाली स्पष्ट सूचना और 'फॉरवर्ड गाइडेंस' (Forward Guidance) उपभोक्ताओं व व्यवसायों की अपेक्षाओं को गहराई से प्रभावित करती है। यह कॉर्पोरेट मूल्य-निर्धारण निर्णयों को अनुकूल दिशा देकर मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाने में अत्यधिक प्रभावी भूमिका निभाता है, न कि निष्प्रभावी।



Result Mitra

31. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सरकार ने वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक 5 वर्ष की अवधि के लिए 'राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' को मंजूरी दी है, जिसका लक्ष्य दालों का उत्पादन 350 लाख टन तक बढ़ाना है।
2. कृषि व्यापार संकेतकों के अनुसार, वर्ष 2024-25 की तुलना में वर्ष 2025-26 के दौरान भारत के दाल आयात मूल्य में 31% से अधिक की गिरावट आई है, जबकि कुल निर्यात मूल्य बढ़कर \$960 मिलियन से अधिक हो गया है।
3. वर्ष 2025-26 के व्यापारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत से होने वाले दालों का कुल मात्रात्मक निर्यात (Quantitative Export) 10 लाख टन के स्तर को पार कर गया है।

उपरोक्त कथनों में से कितने कथन गलत हैं?

- | | |
|-------------------|-----------------|
| (a) सभी तीनों कथन | (b) केवल एक कथन |
| (c) केवल दो कथन | (d) कोई भी नहीं |



उत्तर (b) केवल एक कथन

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** भारत सरकार द्वारा स्वीकृत 'राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक 6 वर्ष की अवधि के लिए लागू किया गया है, न कि 5 वर्ष की अवधि के लिए। यद्यपि इसका उत्पादन लक्ष्य (350 लाख टन) सही दिया गया है, लेकिन समय-सीमा का विवरण गलत होने के कारण यह कथन गलत हो जाता है।
- **कथन 2 बिल्कुल सही है:** वर्ष 2024-25 की तुलना में वर्ष 2025-26 के दौरान भारत का दाल आयात मूल्य ₹46,427.60 करोड़ से 31.52% घटकर ₹31,793.59 करोड़ रह गया है (जो 31% से अधिक की गिरावट है)। इसी अवधि में, भारत का कुल दाल निर्यात मूल्य \$855 मिलियन से 13.40% बढ़कर \$969.53 (लगभग \$970) मिलियन हो गया है, जो कि \$960 मिलियन से अधिक के स्तर को दर्शाता है।
- **कथन 3 बिल्कुल सही है:** वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान भारत से होने वाला दालों का कुल संचयी निर्यात 10.01 लाख टन दर्ज किया गया है। यह डेटा स्पष्ट रूप से पुष्टि करता है कि भारत का मात्रात्मक दाल निर्यात 10 लाख टन के स्तर को पार कर गया है।



32. कनाडा के हालिया राजनीतिक संकट और उसके बाह्य भू-आर्थिक संबंधों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने तेल समृद्ध प्रांत अल्बर्टा में होने वाले आगामी पृथक्तावादी जनमत संग्रह को देश को तोड़ने का बाहरी प्रयास बताते हुए खारिज करने की अपील की है।
2. अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा कनाडा को अमेरिका का '51वां राज्य' बनाने के बयानों और जारी व्यापार युद्ध के कारण कनाडा ने अमेरिका पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करने के लिए व्यापार विविधीकरण की नीति अपनाई है।
3. अल्बर्टा प्रांत में होने वाला यह आगामी मतदान एक कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रक्रिया है, जिसके कारण यह प्रांत स्वतः ही कनाडाई परिसंघ से पूरी तरह अलग हो जाएगा।

उपरोक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं?

- | | |
|-----------------|-------------------|
| (a) कोई भी नहीं | (b) केवल एक कथन |
| (c) केवल दो कथन | (d) सभी तीनों कथन |



उत्तर: (c) केवल दो कथन

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कैलगरी में मतदाताओं से अल्बर्टा के पृथक्तावादी जनमत संग्रह के विरोध में मतदान करने का आह्वान किया है, क्योंकि उनका मानना है कि यह बाहरी विभाजनकारी शक्तियों के हाथों में खेलने जैसा है।
- **कथन 2 सही है:** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कनाडा के विलय की बयानबाजी और टैरिफ (ट्रेड वॉर) के दबाव के बाद कनाडा ने रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा खर्च बढ़ाने और व्यापारिक भागीदारों का विविधीकरण करने की राष्ट्रीय रणनीति लागू की है।
- **कथन 3 गलत है:** अल्बर्टा में होने वाला यह जनमत संग्रह स्वतंत्र होने की कोई स्वतः या विधिक रूप से बाध्यकारी गारंटी नहीं है। यह केवल एक कानूनी प्रक्रिया शुरू करने का जरिया है, न कि स्वतः अलगाव की अंतिम विधिक घोषणा।



33. हाल ही में चर्चा में रहे 'ब्लैक पैंथर' के वैज्ञानिक वर्गीकरण, भौगोलिक वितरण और संरक्षण स्थिति पर विचार कीजिए:

1. ब्लैक पैंथर बड़ी बिल्लियों की कोई स्वतंत्र विशिष्ट प्रजाति नहीं है, बल्कि यह केवल 'एशियाई चीते' का एक आनुवंशिक रंग रूप है।
2. अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट के तहत तेंदुए की इस प्रजाति को 'संकटग्रस्त' श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।
3. भारत में यह मुख्य रूप से घने, आर्द्र और उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों जैसे पश्चिमी घाट तथा उत्तर-पूर्वी पहाड़ियों के क्षेत्रों में पाया जाता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (A) केवल एक कथन
(C) सभी तीनों कथन

- (B) केवल दो कथन
(D) कोई भी कथन नहीं



उत्तर: (A) केवल एक कथन

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** वैज्ञानिक रूप से 'ब्लैक पैंथर' बड़ी बिल्ली परिवार की कोई अलग से पहचानी जाने वाली स्वतंत्र प्रजाति नहीं है, लेकिन यह एशियाई चीते का रूप नहीं है। यह मूल रूप से एशिया और अफ्रीका में पाए जाने वाले तेंदुओं (Panthera pardus) या मध्य और दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले जगुआर (Panthera onca) में होने वाला एक आनुवंशिक रंग रूप (Melanistic variant) है। इन जीवों में 'मेलानिज़्म' (Melanism) नामक एक आनुवंशिक स्थिति के कारण त्वचा और बालों में काले रंग के पिगमेंट (Melanin) की अत्यधिक मात्रा बढ़ जाती है, जिससे इनका पूरा शरीर काला दिखाई देता है।
- **कथन 2 गलत है:** चूंकि ब्लैक पैंथर कोई अलग प्रजाति नहीं है, इसलिए इसे समग्र रूप से तेंदुए की प्रजाति के तहत ही ट्रेक किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट द्वारा तेंदुए (Panthera pardus) को 'संवेदनशील' (Vulnerable - VU) श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है, न कि 'संकटग्रस्त' (Endangered) श्रेणी में। भारत में, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत इसे अनुसूची-I (Schedule I) में रखकर सर्वोच्च कानूनी सुरक्षा प्रदान की गई है।
- **कथन 3 सही है:** आनुवंशिक अनुकूलन के कारण, ब्लैक पैंथर का गहरा काला रंग उन्हें घने, कम धूप वाले और नम सदाबहार जंगलों में छिपने (Camouflage) में भारी मदद करता है। यही कारण है कि भारत में इनका वितरण मुख्य रूप से पश्चिमी घाट के घने सदाबहार जंगलों (जैसे कर्नाटक का काबिनी वन्यजीव अभयारण्य, डांडेली-अंशी, और केरल का पेरियार व पत्तनमतिट्टा क्षेत्र) तथा उत्तर-पूर्वी भारत और उत्तरी बंगाल के घने वनों में पाया जाता है।



34. हाल ही में चर्चा में रहे 'तृष्णा' (TRISHNA) उपग्रह मिशन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी (CNES) के बीच एक संयुक्त सहयोगात्मक उद्यम है, जिसे अगले 12-16 महीनों में प्रक्षेपित किए जाने की योजना है।
2. मेघा-ट्रोपिक्स (Megha-Tropiques) और सरल (SARAL) मिशनों के सफल संचालन के बाद, भारत और फ्रांस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया जाने वाला यह तीसरा बड़ा उपग्रह प्रोजेक्ट है।
3. 'तृष्णा' मिशन का प्राथमिक वैज्ञानिक उद्देश्य उच्च-रिज़ॉल्यूशन थर्मल इन्फ्रारेड इमेजिंग तकनीक द्वारा पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों और जल चक्र प्रणालियों का आकलन करना है।

उपरोक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं?

- | | |
|-----------------|-------------------|
| (a) कोई भी नहीं | (b) केवल एक कथन |
| (c) केवल दो कथन | (d) सभी तीनों कथन |



उत्तर: (d) सभी तीनों कथन

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर (URSC) के परियोजना निदेशक के अनुसार, 'तृष्णा' (TRISHNA - Thermal Infra-Red Imaging Satellite for High-resolution Natural Resource Assessment) मिशन भारत (ISRO) और फ्रांस (CNES) का एक अत्यंत महत्वाकांक्षी सहयोगी अंतरिक्ष अभियान है, जो अब अपने निर्माण के अंतिम चरण में पहुंच चुका है और अगले 12 से 16 महीनों के भीतर प्रक्षेपण के लिए पूरी तरह तैयार है।
- **कथन 2 सही है:** ऐतिहासिक और रणनीतिक अंतरिक्ष संबंधों के विन्यासों को देखते हुए, भारत और फ्रांस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया जाने वाला यह तीसरा उपग्रह है। इससे पहले दोनों देश पर्यावरण और जलवायु निगरानी के लिए मेघा-ट्रॉपिक्स (Megha-Tropiques) और समुद्र विज्ञान के अध्ययन के लिए सरल (SARAL) उपग्रहों को सफलतापूर्वक विकसित और प्रक्षेपित कर चुके हैं।
- **कथन 3 सही है:** अपने नाम (Thermal Infra-Red Imaging Satellite for High-resolution Natural Resource Assessment) के अनुरूप, यह उपग्रह थर्मल इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रम तकनीक का उपयोग करके काम करेगा। इसका प्राथमिक वैज्ञानिक उद्देश्य उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाली थर्मल छवियों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर पानी के वाष्पीकरण, महासागरीय धाराओं, पारिस्थितिकी तंत्र के तनाव और प्राकृतिक संसाधनों का सटीक आकलन करना है।



35. वर्ष 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार और अंतर्राष्ट्रीय कानून के विकास के संदर्भ में,
निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने वर्ष 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार कोलंबिया के प्रसिद्ध मानवाधिकार कार्यकर्ता मारिया कोरीना मचाडो को देने की घोषणा की है।
2. इस पुरस्कार विजेता ने वर्ष 1998 के रवांडा युद्ध अपराध न्यायाधिकरण के उस ऐतिहासिक फैसले को सह-लिखा था, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत पहली बार बलात्कार और यौन हिंसा को 'नरसंहार' का कृत्य माना गया था।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
(c) 1 और 2 दोनों

- (b) केवल 2
(d) न तो 1 और न ही 2



उत्तर: (b) केवल 2

व्याख्या

- कथन 1 गलत है : वर्ष 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार मारिया कोरीना मचाडो को नहीं दिया गया है (वे वर्ष 2025 की विजेता थीं)। इस वर्ष (2026) यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दक्षिण अफ्रीका की प्रख्यात न्यायविद नवी पिल्लई (Navi Pillay) को प्रदान किया गया है।
- कथन 2 बिल्कुल सही है: न्यायविद के रूप में नवी पिल्लई का सबसे बड़ा योगदान 1998 का रवांडा न्यायाधिकरण का निर्णय था। उन्होंने जीन-पॉल अकायेसु के मामले में फैसला लिखते हुए यह स्थापित किया था कि युद्ध के दौरान होने वाली यौन हिंसा और बलात्कार भी 'नरसंहार' की श्रेणी के अंतर्गत विधिक अपराध माने जाएंगे।



36. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा छह राज्यों के राज्यपालों (Governors) में किए गए प्रशासनिक फेरबदल और इससे जुड़े संवैधानिक प्रावधानों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, ओ.पी. माथुर को केरल का, डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक का, और पूर्व राज्यसभा सदस्य दुष्यंत गौतम को सिक्किम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
2. भारतीय संविधान के भाग 6 के तहत अनुच्छेद 155 के अनुसार, राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा की जाती है।
3. राज्यपाल का कार्यकाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत होता है, तथा एक ही व्यक्ति को दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3

- (b) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3



उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हाल ही में जारी आधिकारिक अधिसूचना के तहत राज्यों के राज्यपालों में व्यापक फेरबदल किया गया है। इसके तहत ओ.पी. माथुर को केरल का, डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक का, और पूर्व राज्यसभा सदस्य दुष्यंत गौतम को सिक्किम का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **कथन 2 सही है:** भारतीय संविधान के भाग 6 के अंतर्गत अनुच्छेद 155 में राज्यपाल की नियुक्ति का स्पष्ट प्रावधान है। इसके तहत किसी राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति देश के राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और सील (मुद्रा) सहित अधिपत्र (Warrant) द्वारा की जाती है।
- **कथन 3 सही है:** संविधान के अनुच्छेद 156(1) के अनुसार, राज्यपाल का कार्यकाल किसी भी अदालत में विधिक रूप से निश्चित या सुरक्षित नहीं होता; वे राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत (During the pleasure of the President) पद धारण करते हैं।
- इसके अतिरिक्त, 7वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 द्वारा अनुच्छेद 153 में एक विनियामक अपवाद जोड़ा गया, जिसके तहत एक ही व्यक्ति को एक समय में दो या दो से अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है (जैसे कई बार अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है)।



37. हाल ही में संपन्न तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस शिखर सम्मेलन का आयोजन नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में किया गया, जिसमें भारत और पाँच नॉर्डिक देशों ने भाग लिया।
2. इस बैठक के दौरान भारत और नॉर्डिक देशों ने 'हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार रणनीतिक साझेदारी' शुरू करने की घोषणा की।
3. आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए दोनों पक्षों ने भारत-EFTA व्यापार समझौते (TEPA) का उपयोग करने पर बल दिया।

उपरोक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं?

- | | |
|-----------------|----------------|
| (a) कोई भी नहीं | (b) केवल 1 कथन |
| (c) केवल 2 कथन | (d) सभी 3 कथन |



उत्तर: (d) सभी तीनों कथन

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** 19 मई 2026 को नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर की मेजबानी में ओस्लो में तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। इस बैठक में भारत और पाँच नॉर्डिक राष्ट्रों (डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन) ने जलवायु कार्रवाई को गति देने के लिए अपने संबंधों को आधिकारिक तौर पर 'हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार रणनीतिक साझेदारी' (Green Technology and Innovation Strategic Partnership) के रूप में विस्तारित किया।
- **कथन 2 सही है:** भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA, जिसमें नॉर्डिक देश भी शामिल हैं) के बीच हस्ताक्षरित व्यापार एवं आर्थिक भागीदारी समझौता (TEPA) दोनों क्षेत्रों के बीच निवेश प्रवाह को बढ़ाने, टैरिफ बाधाओं को कम करने और सुरक्षित व लचीली आपूर्ति श्रृंखला (Resilient Supply Chains) बनाने का एक मुख्य विनियामक कानूनी ढांचा है।
- **कथन 3 सही है :** नॉर्डिक देशों की अनूठी भौगोलिक और तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए भारत ने विशिष्ट क्षेत्रों को लक्षित किया है। इसके तहत नॉर्वे के साथ ब्लू इकोनॉमी (समुद्री संसाधन), आइसलैंड के साथ भू-तापीय ऊर्जा व उन्नत मात्स्यिकी तकनीक, तथा संपूर्ण नॉर्डिक क्षेत्र के साथ संवेदनशील आर्कटिक अनुसंधान (Arctic Research) में रणनीतिक सहयोग को प्राथमिकता दी गई है।



Result Mitra

38. भारत में एकाधिकार नियंत्रण और प्रतिस्पर्धा कानून के ऐतिहासिक विन्यासों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत के मूल संविधान के नीति निर्देशक तत्वों (DPSP) के तहत आर्थिक शक्ति और धन के संकेंद्रण को रोकने का कोई भी विधिक प्रावधान शामिल नहीं था।
2. वर्ष 1991 के एलपीजी सुधारों के बाद, विनियामक दर्शन को 'फर्म के आकार को सीमित करने' से बदलकर 'बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने' की ओर स्थानांतरित किया गया।
3. भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) के आदेशों और विनियामक निर्णयों के खिलाफ अपील की सुनवाई सीधे सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की जाती है।

उपरोक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं?

- | | |
|-------------------|-----------------|
| (a) केवल एक कथन | (b) केवल दो कथन |
| (c) सभी तीनों कथन | (d) कोई भी नहीं |



उत्तर: (a) केवल एक कथन

व्याख्या

- **कथन 1 गलत है:** भारत के संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 39(b) और 39(c) के रूप में मूल रूप से यह प्रावधान शामिल था कि राज्य अपनी नीति का संचालन इस प्रकार करेगा जिससे धन और उत्पादन के साधनों का सर्वसाधारण के लिए अहितकारी संकेंद्रण न हो।
- **कथन 2 सही है:** वर्ष 1991 के सुधारों के बाद विनियामक दर्शन बदला। कंपनियों की संपत्ति के आकार पर प्रतिबंध लगाने वाले पुराने MRTP एक्ट को अप्रासंगिक मानकर हटा दिया गया और बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए नया विधिक ढांचा अपनाया गया।
- **कथन 3 गलत है :** भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) के फैसलों के खिलाफ अपील सीधे सुप्रीम कोर्ट में नहीं जाती। इसके लिए विधिक रूप से राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (NCLAT) को अधिकृत अपीलीय मंच बनाया गया है।



39. स्थानीय स्वशासन के संवैधानिक प्रावधानों और हालिया न्यायिक निर्णयों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अनुच्छेद 243D और 243T के तहत स्थानीय निकायों में पिछड़ा वर्ग (BC) को आरक्षण देना राज्य विधानमंडलों का विवेकाधीन अधिकार है.
2. स्थापित विधिक सिद्धांतों के अनुसार, स्थानीय स्वशासन के चुनावों में दिया जाने वाला कुल लंबवत आरक्षण (Vertical Reservation) संचयी रूप से 50% से अधिक नहीं हो सकता.
3. सर्वोच्च न्यायालय ने आंध्र प्रदेश स्थानीय निकायों में 34% पिछड़ा वर्ग कोटे को इसलिए रद्द किया क्योंकि यह राजनीतिक पिछड़ेपन के अनुभवजन्य मूल्यांकन (Empirical Assessment) के बिना लागू था.

उपरोक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं?

- | | |
|-----------------|-------------------|
| (a) कोई भी नहीं | (b) केवल एक कथन |
| (c) केवल दो कथन | (d) सभी तीनों कथन |



उत्तर: (d) सभी तीनों कथन

व्याख्या

- **कथन 1 सही है:** भारतीय संविधान के भाग 9 और 9A के तहत अनुच्छेद 243D (पंचायतों) और 243T (नगरपालिकाओं) का खंड (6) राज्य विधानमंडलों को यह विधिक और विवेकाधीन शक्ति देता है कि यदि वे चाहें, तो पिछड़ा वर्ग (Backward Classes) के नागरिकों के पक्ष में स्थानीय निकायों की सीटों या अध्यक्षों के पदों के लिए आरक्षण का प्रावधान कर सकते हैं। यह SC/ST के विपरीत अनिवार्य नहीं, बल्कि विवेकाधीन है।
- **कथन 2 सही है:** सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक निर्णयों (जैसे के. कृष्णमूर्ति और विकास किशनराव गवली मामलों) में यह स्पष्ट विधिक सिद्धांत प्रतिपादित किया है कि स्थानीय निकायों में दिया जाने वाला 'राजनीतिक आरक्षण' नौकरियों से अलग है। न्यायालय ने यह अनिवार्य सीमा तय की है कि SC, ST और BC के लिए स्थानीय निकायों में कुल लंबवत आरक्षण (Vertical Reservation) की संचयी सीमा 50% के कैप को पार नहीं कर सकती।
- **कथन 3 सही है:** 9 अक्टूबर 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसने स्थानीय निकायों में दिए गए 34% BC आरक्षण को रद्द कर दिया था। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि 'ट्रिपल टेस्ट' सिद्धांतों के तहत पिछड़ा वर्ग को राजनीतिक आरक्षण देने से पहले एक समर्पित आयोग के माध्यम से राजनीतिक पिछड़ेपन और प्रतिनिधित्व का गहन अनुभवजन्य मूल्यांकन (Empirical Assessment) करना अनिवार्य है; केवल एक सामान्य 'एकीकृत परिवार सर्वेक्षण' का डेटा 50% की सीमा को तोड़ने के लिए विधिक रूप से पर्याप्त नहीं है।



40. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- **कथन I:** जीएसटी परिषद ने कर अनिश्चितता को समाप्त करने के लिए कर दरों की समीक्षा वर्ष में केवल एक बार करने और दरों में बदलावों को केवल नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत में लागू करने का नीतिगत निर्णय लिया है।
- **कथन II:** कर प्रशासन का नया विनियामक दृष्टिकोण 'दोषी होने तक निर्दोष' की अवधारणा को छोड़ते हुए करदाताओं पर अधिक विश्वास करने और मानव विवेकाधिकार को कम करने के लिए स्वचालित प्रणालियों को अपनाने पर केंद्रित है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?

- (a) कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II, कथन I की सही व्याख्या है।
- (b) कथन I और कथन II दोनों सही हैं, लेकिन कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं है।
- (c) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
- (d) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।



उत्तर: (b) कथन I और कथन II दोनों सही हैं, लेकिन कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं है।

व्याख्या

- **कथन I बिल्कुल सही है:** व्यवसायों को नीतिगत अनिश्चितता से बचाने के लिए जीएसटी परिषद ने यह बड़ा विनियामक निर्णय लिया है कि दरों की समीक्षा साल में केवल एक बार होगी और उसे नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से लागू किया जाएगा। इससे पहले हर बैठक में दरें बदलने के कारण बाजार में अस्थिरता रहती थी।
- **कथन II बिल्कुल सही है:** कर प्रशासन के रवैए में एक बड़ा दार्शनिक बदलाव आया है। जटिल अनुपालन आवश्यकताओं से करदाताओं को परेशान करने के बजाय, अब 'फेसलेस असेसमेंट' और स्वचालित कंप्यूटर सत्यापन (Computer-based verification) जैसी तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका उद्देश्य कर अधिकारियों की गिरफ्तारी, निरीक्षण और जब्ती की शक्तियों को सीमित करके करदाताओं पर भरोसा जताना है।
- **व्याख्या का संबंध:** हालांकि दोनों कथन स्वतंत्र रूप से पूरी तरह सही हैं, लेकिन करदाताओं पर विश्वास करने और स्वचालित प्रणालियों (कथन II) को अपनाना, कर दरों में वर्ष में केवल एक बार बदलाव करने (कथन I) का सीधा कारण या उसकी व्याख्या नहीं है। दरों में वार्षिक बदलाव का मुख्य उद्देश्य नीतिगत स्थिरता और व्यावसायिक निश्चितता लाना है। इसलिए विकल्प (b) सही है।



Result Mitra